S-345

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-508

ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय-02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. भारतीय वेध परम्परा पर प्रकाश डालिए।

2. नाड़ीवलय यन्त्र का परिचय देते हुए उसके महत्त्व को बताइए।

3. अक्षांश, देशान्तर, क्रान्ति एवं चर को परिभाषित करते हुए क्षेत्र द्वारा स्पष्ट करें।

4. समय सूचक प्राचीन यन्त्रों का वर्णन कीजिए।

5. दिक्साधन में प्रयुक्त प्राचीन यन्त्रों का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ग्रहस्थिति ज्ञान में गोल यन्त्र की भूमिका का विवेचन कीजिए।

2. गोल केन्द्र का परिचय देते हुए ग्रहकथा का वर्णन कीजिए।

3. क्रान्ति साधन कीजिए।

4. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक क्षितिज एवं पूर्वापर वृत्त का परिचय दीजिए।

5. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक नाड़ी एवं क्रान्ति वृत्त का परिचय दीजिए।

6. कुज्या × चरज्या ÷ द्युज्या =? हल पूर्वक प्रदत्त अवयवों का परिचय दीजिए।

7. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक लग्न एवं वित्रिभ लग्न का परिचय दीजिए।

8. देशान्तर एवं अक्षांश का परिचय देते हुए स्वस्थान का वर्णन कीजिए।